अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी विश्वविद्यालय के शोधार्थीयों द्वारा शोध - प्रपत्र प्रस्तुत

वर्धा, 23 फरवरी: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के जनसंचार विभाग के छात्रों ने प्रोफ़ेसर अनिल कुमार राय के निर्देशन में पीएच.डी. शोधार्थी सुनील घोडके ने 'भारतीय सहिष्णु समाज और वर्तमान शिक्षा प्रणाली: विरूद्ध में सामंजस्य की चुनौती', संतोष मिश्रा तथा चेतन भट्ट ने 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली: अवसर एवं चुनौतियां' तथा रूपाली आलोने ने 'भारतीय संस्कृति को

सहेजता डायस्पोरिक सिनेमा' इस विषय पर शोध-प्रपत्र प्रस्तुत किए। उक्त 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग एवं विद्यार्थी निधी मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में 'पर्सपेक्टिव्स ऑन मॉडर्न इंडिया एंड

द एमर्जिंग वर्ल्ड ऑर्डर: ओल्ड इश्यूज एंड न्यू चालेंजेस' इस विषय पर आयोजित थी। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र

विभाग के विभागाध्यक्ष अध्या प्रसाद पाण्डे के निदेशन में हुआ था एवं सह-संयोजक के रूप में प्रोफेसर अनिल कुमार राय थे। उक्त संगोष्ठी में समाज सेवक सुनील अंबेकर ने शिक्षा क्षेत्र में भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को अधिक से अधिक स्थान देने की बात कही तथा संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल कुमार राय

ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय शिक्षा व्यवस्था में हो रहे मूल्य शिक्षा के ह्रास से छात्रों की बदलती मनोवृत्ति पर चिंता व्यक्त की।

इस मौके पर देश के विभिन्न कौने से विद्वान शामिल हुए थे जिनमें मुख्यतः सी.एस.डी.एस. की प्रोफ़ेसर मधु किश्वर, नीति आयोग, नई दिल्ली के सदस्य प्रोफेसर बिबेक देबरॉय, विचारक एवं समाज सेवक श्री प्रफुल्ल आकांत, हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला के प्रोफेसर नागेश ठाकुर, जे.एन.यू. नई दिल्ली के प्रोफेसर ए.के. महापात्रा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार एवं प्रोफेसर रवि एस. सिंह ने संगोष्ठी में अपने-अपने विचार व्यक्त किए।